खेती अपनी संस्कृति

- भूमिका
* भारत की विकास में खेती की भूमिका।
* प्राचीन काल की खेती संस्कृति कैसा था?
* आज खेती क्षेत्र में आए बदलाव।
* खेती क्षेत्र और आज का युवा पीढ़ी।
* खेती क्षेत्र हमारी संस्कृति है।
* खेती ; उज्वल भविष्य के लिए...।
- उपसंहार

- भूमिका

भारत विशाल एवं विकासशील देश है। भारत, मानवीय विकास सूची में 193 राष्ट्रों में से भारत 134 वीं स्थान पर है। आज भारत जनसंख्या सूची में 142 ~~जनसंख्या~~ करोड़ जनसंख्या से प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत कई क्षेत्रों में प्रगति

प्राप्त करने के लिए कोशिश करते हैं। लेकिन आज भारत कई भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, नशा, भेदभाव आदि समस्याओं को सामना कर रहे हैं। इसलिए भारत आज भी विकास नहीं प्राप्त किया है। भारत में प्रगति लाने के लिए हर एक नागरीक मदद करना होगा। कई क्षेत्रों में प्रगति लाने से हम अपनी देश को विकसित बनना होगा। आज मुख्य समस्या खेती में हो रही है। आज भारत में कुछ ~~लोख~~ लोग खेती में काम करने के लिए तैयार हैं लेकिन अधिक लोग खेती में काम करने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए भारत की खेती क्षेत्र में कई तरह की समस्याओं का सामना करते हैं। यह खेती की समस्या भारत की प्रगति के लिए भी एक मुख्य समस्या बन गया है।

Item Code: 645 Participant Code: 304

* भारत को विकास में खेती की भूमिका

भारत को विकसित बनने के लिए इसमें रहनेवाले हर लोगों का विकास मुख्य घटना है। कई क्षेत्रों में प्रगति प्राप्त करने के लिए भारत आज भी परिश्रम करती है। भारत में एक गलत बात है खेती कृषकों के लिए है। लेकिन यह कहन को प्रचार से कई लोगों में यह असर हो गया है "खेती सिर्फ कृषकों के लिए है"। आज भारत खेती की क्षेत्र में विकास नहीं प्राप्त किया है। भारत को विकास इनमें रहनेवाली लोगों का है और उन इन लोगों की चिंताओं का भी है। खेती की क्षेत्र में प्रगति लाने से हम अपना भारत को भी विकसित बनना होगा। खेती की क्षेत्र में काम करना लोग आज कई तरह की समस्याओं को सामना करते है। इसलिए इन समस्याओं को समझकर हम

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

अपनी भारत को आगे बढ़ना होगा। इन समस्याओं को मिटाना चाहिए और खेती क्षेत्र को भी संरक्षण करना चाहिए।

* प्राचीन काल की खेती संस्कृति कैसा था?

प्राचीन काल में खेती की भूमिका महत्वपूर्ण था। लेकिन आज का लोग प्राचीन काल की लोगों की तरह खेती को संरक्षण नहीं करती है। प्राचीन काल में हर लोग उसके लिए या खाना बनने केलिए कृषि करता था। हर लोग की घर के पास कृषि क्षेत्र था। इन लोग बज़ारों में से खाना नहीं बेजता। प्राचीन काल में हर लोग के पास ज़्यादा खाना या दान्य था। लेकिन इन लोग इसको बज़ारों में देने के लिए तैयार नहीं था और इन लोग उसकी आवश्यकता केलिए ही इन चीजों को उपयोग करती था। चावल, खोदूम, फल, सबजी आदि को कृषि करता था। प्राचीन काल में

कृषि करने केलिए या खेती में काम करने के-लिए लोग तैयार था लेकिन आज का लोगों के पास इसकेलिए क्षमता कम हो गई है।

* आज खेती क्षेत्र में आए बदलाव

आजकल भारत के लोग खेती में काम करना कम हो जाती है। खेती गरीब लोगों के लिए है और गरीब लोग करना एक काम है कृषि' यह गलत बात के कारन आज के लोग खेती में काम करने केलिए तैयार नहीं है। आजकल यह कहन छात्रों ~~की~~ को भी प्रभावित करते है। छात्र भविष्य में खेती में काम करने केलिए तैयार लोगों की या बच्चों की संख्या कम हो रहा है। लेकिन खाना मिलने केलिए कृषि करना जरूरत है और इसकेलिए काम करना चाहिए। आज के लोग इसी तरह काम करती है धन मिलना चाहिए लेकिन काम नहीं करते है। महात्मा गांधी

जी की पाप. कर्म में कहा गया था कि "काम के बिना धन"। धन कमाने के लिए काम करना ही चाहिए। आजकल लोग उनके लिए भी काम नहीं करते हैं। हर लोग अलस हो गयी है। लेकिन इसी तरह होना नहीं चाहिए, हम खेती के बारे में हर लोगों को जागरूक बनना ज़रूरत है।

* खेती क्षेत्र और आज का युवा पीढ़ी

"युवा वही होते हैं जिनके हाथों में
शक्ति, पैरों में गति, हृदय में ऊर्जा
और आखों में सपना हो।"

\- स्वामी विवेकानन्द

हमारा भारत का भविष्य भारत के युवा पीढ़ी की कंधों में निहित है। इसलिए भारत की समस्याओं को समझकर इस समस्याओं को मिटाना युवा पीढ़ी की ज़िम्मेदारी बन गई है। आजकल युवा पीढ़ी खेती में काम नहीं

करते है। क्यों?

भारत की जनसंख्या में से 68 प्रतिशत युवक है। लेकिन भारत आज भी विकास प्राप्त नही करने में एक मुख्य कारण युवा पीढी सामना करनेवाला समस्याएँ है। आज युवा पीढी सामना करना एक मुख्य समस्या बेरोज़गारी है। बेरोजगारी से प्रभावित हुआ लोग भी खेती में काम करने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन हमारे युवकों को खेती की भूमिका के बारे में जागरूक बनकर इन लोगों को खेती में काम करने के लिए प्रेरित करना ज़रूरत है। खेती में काम करना एक बुरा काम नहीं है। यह शिर्फ कृषक या गरीब लोग करनेवाला काम भी नहीं है। इसी तरह की गलत कहन को समाज से मिटाना होगा और समाज के लोगों को जागरूक बनना चाहिए। इसकेलिए हमारा युवा पीढ़ी की

चिंताओं को विकसित बनना होगा।

* खेती क्षेत्र हमारी संस्कृति है।

"बच्चे आज का छात्र कल का नागरीक है"

- जवहरलाल नेहरू

भारत की खेती क्षेत्र में कई तरह की समस्याओं को सामनो करते है। इसमें एक कृषि क्षेत्र को ई-कचरा डालकर बरबाद करना है। आजकल प्रदूषण भी अधिक हो रहा है। इनका एक उदाहरण है डेल्ही में हुआ वायू प्रदूषण। प्रकृति आज बहुत बदल गयी है। प्रकृति में कई तरह की परिवर्तन आ गयी है इसमें जलवायू परिवर्तन से वायनाड़ में हुआ आपधा कई २०० से अधिक लोगों की जान चली गयी। इसी तरह की परिवर्तन से कारण खेती की क्षेत्र में भी कई समस्याएँ आ रही है। खेती की क्षेत्र में इसके कारण बहुत अधिक नष्ट हो रही है। इसलिए हम ~~हमारे~~ उपनी

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

प्रकृति को संरक्षण करके, उनके साथ समय ले कर जीना रहना चाहिए। इसी तरह की परिवर्तन को रोकने के लिए खेती ~~का~~ क्षेत्र में प्लास्टिक जैसे चीजों को मत डालो और जल, वायू आदि को प्रदूषित मत करो। खेती हमारी संस्कृति की एक भाग है। इसको नही बूलना चाहिए। बच्चें इसके बारे में समझकर समाज को में परिवर्तन बनना जरूरत है।

* खेती; उज्वल भविष्य के लिए ...।

"बच्चे वो चट्टान है जिसमें हमारा भविष्य निर्मित होगा।" - नेलसन मंडेला

उज्वल भविष्य के लिए बच्चों को और युवा पीढी को एक अस्त्र की तरह (समान) उपयोग करके भारत को विकसित बनना होगा। बच्चों को और युवा पीढी को इस खेती या कृषि के बारे में और इसकी भूमिका के बारे में समझना चाहिए। भारत में

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

स्वच्छता रखने कौलिए सरकार स्वच्छ भारत अभियान जैसे परियोजना को शुरू किया है।

• उपसंहार

"जब तक भारत दुनिया के सामने खड़ा नहीं होगा तब तक कोई हमारा सम्मान नहीं करेगा। जब सिर्फ इस दुनिया में शक्ति की गूँज होती है तो कमजोरों की कोई स्थान नहीं।" - अब्दुल कलाम

भारत की विकास इनमें रहनेवालेके लोगों से शुरू होती है। इसलिए भारत की विकास में खेती की क्षेत्र की प्रगति भी बहुत अधिक है। उज्ज्वल भविष्य कैलिए भारत की बच्चों को और युवा पीढ़ी को एक अस्त्र की तरह उपयोग करके हम आगे बढ़ना होगा हर लोग की प्रगति भारत की प्रगति है। खेती में काम करनेके लोगों को (आधार) सम्मान करके हम आगे बढ़ना चाहिए।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)